

901

801 (DD)

2023

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 70

निर्देश :

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।
- (ii) प्रश्न-पत्र दो खण्ड अ तथा खण्ड ब में विभाजित है ।
- (iii) प्रश्न-पत्र के खण्ड अ में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O.M.R. शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें ।
- (iv) खण्ड अ में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है ।
- (v) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिए गए हैं ।

खण्ड अ

1. 'झूठा सच' किस विधा की रचना है ? [1]

- (A) निबन्ध
- (B) कहानी
- (C) उपन्यास
- (D) नाटक

2. 'अनन्त आकाश' के रचनाकार हैं : [1]

- (A) डॉ. धर्मवीर भारती
- (B) जयप्रकाश भारती
- (C) जयशंकर प्रसाद
- (D) यशपाल

3. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सही है ? [1]

- (A) 'गुनाहों के देवता' के रचनाकार मुंशी प्रेमचन्द हैं ।
- (B) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र आलोचना साहित्य के जनक माने जाते हैं ।

(C) 'गेहूँ और गुलाब' निबन्ध के लेखक रामवृक्ष बेनीपुरी हैं ।

(D) 'ईर्ष्या तू न गयी मेरे मन से' निबन्ध के लेखक जयप्रकाश भारती हैं ।

4. 'पंचांग दर्शन' के रचनाकार कौन हैं ? [1]

(A) मथुरानाथ शुक्ल

(B) लल्लूलाल

(C) सदल मिश्र

(D) इंशा अल्ला खाँ

5. शारंगधर रचनाकार हैं : [1]

(A) परमाल रासो

(B) हमीर रासो

(C) खुमाण रासो

(D) बीसलदेव रासो

6. छायावाद युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ कौन-सी हैं ? [1]

(A) कुण्ठा और निराशा के स्वर

(B) श्रृंगार और प्रेम - वेदना

(C) नारी के प्रति परिवर्तित दृष्टिकोण

(D) रीतिग्रन्थों का निर्माण

7. निम्नलिखित में से शुक्लोत्तर युग के लेखक कौन हैं ? [1]

(A) वासुदेवशरण अग्रवाल

(B) प्रतापनारायण मिश्र

(C) किशोरीलाल गोस्वामी

(D) श्यामसुन्दर दास

8. 'साकेत' किस युग की रचना है ? [1]

- (A) भारतेन्दु युग
- (B) द्विवेदी युग
- (C) प्रगतिवादी युग
- (D) छायावादी युग

9. 'भारत दुर्दशा' किस विधा की रचना है ? [1]

- (A) जीवनी
- (B) आत्मकथा
- (C) रेखाचित्र
- (D) एकांकी

10. 'बिहारी' किस युग के कवि हैं ? [1]

- (A) आधुनिक काल
- (B) रीतिकाल
- (C) भक्तिकाल
- (D) आदिकाल

11. नाना वाहन नाना वेशा, बिहसे सिव समाज निज देखा ।

कोउ मुख हीन विपुल मुख काहू, बिनु पद-कर कोऊ बहु बाहू ॥

उपर्युक्त पंक्ति में कौन-सा रस है ? [1]

- (B) वीर रस
- (A) करुण रस
- (C) शान्त रस
- (D) हास्य रस

12. यहीं कहीं पर बिखर गयी वह, भग्न विजयमाला-सी ।

उपर्युक्त पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ? [1]

- (A) उपमा अलंकार
- (B) उत्प्रेक्षा अलंकार
- (C) रूपक अलंकार
- (D) श्लेष अलंकार

13. रोला किस प्रकार का छन्द है ? [1]

- (A) विषम मात्रिक
- (B) अर्द्धसम मात्रिक
- (C) सममात्रिक
- (D) इनमें से कोई नहीं

14. निर्जन शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग किया गया है ? [1]

- (A) नी
- (B) नीर
- (C) नि
- (D) निर्

15. धनुष का पर्यायवाची शब्द है: [1]

- (A) अशिम
- (B) कुलिस
- (C) कोदंड
- (D) पवि

16. भलाई शब्द में कौन-सा प्रत्यय है ? [1]

- (A) ई
- (B) आइ
- (C) अई
- (D) आई

17. 'षड्दर्शन' में कौन-सा समास है ? [1]

- (A) तत्पुरुष समास
- (B) कर्मधारय समास
- (C) द्विगु समास
- (D) द्वन्द्व समास

18. 'मतिभिः' शब्द का विभक्ति एवं वचन है : [1]

- (A) पंचमी विभक्ति एकवचन
- (B) षष्ठी विभक्ति द्विवचन
- (C) तृतीया विभक्ति बहुवचन
- (D) द्वितीया विभक्ति बहुवचन

19. 'हर्यत्र' शब्द का सन्धि-विच्छेद है [1]

- (A) हर + अत्र
- (B) हरय + त्र
- (C) हरि + अत्र
- (D) हरि + आत्र

20. 'पठिष्यथ' धातु का पुरुष एवं वचन है : [1]

- (A) उत्तम पुरुष द्विवचन
- (B) मध्यम पुरुष बहुवचन
- (C) मध्यम पुरुष द्विवचन
- (D) उत्तम पुरुष बहुवचन

खण्ड ब

वर्णनात्मक प्रश्न :

21. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [3×2=6]

(क) काशी के उत्तर में धर्मचक्र विहार मौर्य और गुप्त सम्राटों की कीर्ति का खण्डहर था । भग्न चूड़ा, तृण-गुल्मों से ढके हुए प्राचीर, ईंटों के ढेर में बिखरी हुई भारतीय शिल्प की विभूति, ग्रीष्म की चन्द्रिका में अपने को शीतल कर रही थी ।

जहाँ पंचवर्गीय भिक्षु गौतम का उपदेश ग्रहण करने के लिए पहले मिले थे , उसी स्तूप के भग्नावशेष की मलिन छाया में एक झोपड़ी के दीपालोक में एक स्त्री पाठ कर रही थी
“अनन्याश्चिन्तयन्तों मां ये जनाः पर्युपासते ।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (iii) धर्मचक्र कहाँ स्थित था ?

अथवा

(ख) यह हाथ में कमल लिये बुद्ध खड़े हैं, जैसे छवि छलकी पड़ती है, उभरे नयनों की जोत पसरती जा रही है । और यह यशोधरा है, वैसे ही कमल नाल धारण किये त्रिभंग में खड़ी । और यह दृश्य है महाभिनिष्क्रमण का यशोधरा और राहुल निद्रा में खोये , गौतम दृढ़ निश्चय पर धड़कते हिया को सँभालते । और यह नन्द है , अपनी पत्नी सुन्दरी का भेजा, द्वार पर आये बिना भिक्षा के लौटे भाई बुद्ध को लौटाने को आया था और जिसे भिक्षु बन जाना पड़ा था । बार-बार वह भागने को होता है , बार-बार पकड़कर संघ में लौटा लिया जाता है । उधर फिर वह यशोधरा है , बालक राहुल के साथ ।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) उपर्युक्त गद्यांश में कहाँ के दृश्यों का चित्रण किया गया है ?

22. दिए गए पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [3x2=6]

(क) धूरि भरे अति सोभित स्यामजू,

तैसी बनी सिर सुंदर चोटी ।

खेलत खात फिरै अँगना, पग पैजनी

बाजति पीरी कछोटी ॥

वा छबि को रसखानि बिलोकत,

वारत काम कला निज कोटी ।

काग के भाग बड़े सजनी,

हरि हाथ सों लै गयौ माखन - रोटी ॥

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) प्रस्तुत पद्यांश में किसे भाग्यशाली बताया गया है ?

अथवा

(ख) नहीं चाहिए बुद्ध बेर की

भला प्रेम का उन्माद कहाँ

सबका शिव कल्याण यहाँ है,

पावें सभी प्रसाद यहाँ ।

सब तीर्थों का एक तीर्थ यह

हृदय पवित्र बना लें हम

आओ यहाँ. अजातशत्रु बन,

सबको मित्र बना लें हम।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) भारत देश किस प्रकार का तीर्थ है ?

23. दिए गए संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : [2+3=5]

(क) “अहम् अस्याः प्रहेलिकायाः उत्तरं न जानामि ।” इदं श्रुत्वा ग्रामीणः अकथयत् “यदि भवान् उत्तरं न जानाति, तर्हि ददातु दशरूप्यकाणि ।” अतः म्लानमुखेन नागरिकेण समयानुसारं दशरूप्यकाणि दत्तानि ।

पुनः ग्रामीणोऽब्रवीत् - “इदानीं भवान् पृच्छतु प्रहेलिकाम् ।” दण्डदानेन खिन्नः नागरिकः बहुकालं विचार्य न काञ्चित् प्रहेलिकाम् अस्मरत्, अतः अधिकं लज्जमानः अब्रवीत् - “स्वकीयायाः प्रहेलिकायाः त्वमेव उत्तरं ब्रूहि ।” तदा स ग्रामीणः विहस्य स्वप्रहेलिकायाः सम्यक् उत्तरम् अवदत् “पत्रम्” इति । यतो हि इदं पदेन विनापि दूरं याति, अक्षरैः युक्तमपि न पण्डितः भवति ।

अथवा

(ख) भारतीय संस्कृतिः तु सर्वेषां मतावलम्बिनां सङ्गमस्थली । काले-काले विविधाः विचाराः भारतीय-संस्कृतौ समाहिताः । एषा संस्कृतिः सामासिकी संस्कृतिः यस्याः विकासे विविधानां जातीनां, सम्प्रदायानां, विश्वासानाञ्च योगदानं दृश्यते । अतएव अस्माकं भारतीयानाम् एका संस्कृतिः एका च राष्ट्रियता । सर्वेऽपि वयं एकस्याः संस्कृतेः समुपासकाः एकस्य राष्ट्रस्य च राष्ट्रियाः । यथा भ्रातरः परस्परं मिलित्वा सहयोगेन सौहार्देन च परिवारस्य उन्नतिं कुर्वन्ति, तथैव अस्माभिः अपि सहयोगेन सौहार्देन च राष्ट्रस्य उन्नतिः कर्तव्या ।

24. दिए गए संस्कृत पद्यांश में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : [2+3=5]

(क) मरणं मङ्गलं यत्र विभूतिश्च विभूषणम् ।

कौपीनं यत्र कौशेयं सा काशी केन मीयते ॥

अथवा

(ख) माता गुरुतरा भूमेः खात् पितोच्चतर स्तथा ।

मनः शीघ्रतरं वातात् चिन्ता बहुतरी तृणात् ॥

25. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : [1x3=3]

(क) (i) 'मुक्ति दूत' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ख) 'मुक्ति दूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की ऐसी घटना का उल्लेख कीजिए जिसने आपको सर्वाधिक प्रभावित किया हो और क्यों ।

(ग) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर किसी नारी पात्र की चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए ।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर किसी प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए जिसने आपको प्रभावित किया हो ।

(घ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाषचन्द्र बोस के प्रारम्भिक जीवन (विद्यार्थी व बाल जीवन) पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के पाँचवें सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की किसी एक प्रमुख घटना का वर्णन कीजिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर 'आजाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर प्रमुख नारी पात्र कुन्ती का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के 'चतुर्थ सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के मुख्य पात्र की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के 'चतुर्थ सर्ग' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

26. (क) दिए गए लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए [3+2=5]

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ii) भगवतशरण उपाध्याय

(iii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(ख) दिए गए कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : [3+2=5]

(i) महाकवि सूरदास

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) सुमित्रानन्दन पन्त

27. अपनी पाठ्य-पुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । [2]

28. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : [2+2=4]

(i) दाराशिकोह : वाराणसी आगत्य किम् करोत् ?

(ii) गीतायाः कः सन्देशः ?

(iii) न्यायाधीशस्य पीठे (आसने) कः अतिष्ठत् ?

(iv) मरिष्यतः मित्रं किम् अस्ति ?

29. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: [9]

(i) आतंकवाद की समस्या एवं समाधान

(ii) बेरोज़गारी की समस्या एवं समाधान

(iii) छात्र और अनुशासन

(iv) प्रदूषण की समस्या एवं समाधान

downloaded from
StudentSuvidha.com